

अनुदान संख्या 91 – अंतरिक्ष विभाग
GRANT No. 91 - DEPARTMENT OF SPACE

		कुल अनुदान या विनियोग Total grant or appropriation	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत— Saving -
		(हजार रुपयों में) (In thousands of rupees)		
राजस्व:	Revenue:			
प्रभारित—	Charged -	60,00	23,79	-36,21
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year			शून्य Nil
स्वीकृत—	Voted-			
मूल	Original	4937,73,00		
		5339,79,00	5334,27,43	-5,51,57
पूरक	Supplementary	402,06,00		
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year			शून्य Nil
पूंजीगत:	Capital:			
प्रभारित—	Charged -	40,00	..	-40,00
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year			शून्य Nil
स्वीकृत—	Voted-			
मूल	Original	4154,98,00		
		4158,40,00	3796,05,42	-362,34,58
पूरक	Supplementary	3,42,00		
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year			340,27,00

टीका और टिप्पणियां**Notes and comments**

1. अनुदान के राजस्व भाग के प्रभारित अंश में, ₹43.00 लाख का विनियोग आठ शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

1. In the *charged* portion of the revenue section of the grant, *appropriation* of ₹43.00 lakhs remained wholly unutilized under eight heads.

2. अनुदान के राजस्व भाग के स्वीकृत अंश में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआः—

2. In the voted portion of the revenue section of the grant, savings/excess occurred under the following major heads:-

शीर्ष	Head	कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत— Saving -
मुख्य शीर्ष “3451”	Major Head “3451”			
सचिवालय — सामाजिक सेवाएं	Secretariat-Economic Services			
मू.	O.	2951.00		
पु.	R.	1069.00		
		4020.00	3991.02	-28.98
मुख्य शीर्ष “3402”	Major Head “3402”			
अंतरिक्ष अनुसंधान	Space Research			
मू.	O.	490822.00		
पू.	S.	40206.00		
पु.	R.	-1069.00		
		529959.00	529436.41	-522.59

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

(I) ₹219.28 लाख का प्रावधान ग्यारह शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा; जिसमें से ₹200.00 लाख अकेले मुख्य शीर्ष “3402” — “इन्सेट उपग्रह प्रणाली — जीसैट — 18 उपग्रह लॉच सेवाएं” — लॉच कार्यकलापों के पूरा होने के कारण पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

(I) Provision of ₹219.28 lakhs remained wholly unutilised under eleven heads; of these ₹200.00 lakhs alone accounted for under Major Head “3402” - “INSAT Satellite System - GSAT-18 Satellite Launch Services” - due to completion of launch activities.

(II) मुख्य शीर्ष “3402” के अंतर्गत दिसम्बर, 2017 और मार्च, 2018 में प्राप्त किया गया पूरक अनुदान निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत प्रत्येक के सामने दर्शाई गई सीमा तक पूर्णतया अप्रयुक्त रहाः—

(II) Supplementary grant obtained in December, 2017 and March, 2018 under Major Head “3402” - remained wholly unutilised under the following heads as shown against each:-

(का) “अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी” —

(A) “Space Technology” -

(क) “भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान” — ₹10000.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹150.00

(a) “Indian Institute of Space Science and Technology (IIST)” - the original provision

लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹10150.00 लाख कर दिया गया। तथापि, ₹450.00 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) एक स्वायत्त निकाय होने के कारण पेंशन निधि बनाना स्थगित करने के कारण हुई।

of ₹10000.00 lakhs was augmented to ₹10150.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹150.00 lakhs. However, there was a saving of ₹450.00 lakhs (including supplementary grant) - due to postponement of creation of pension fund, being an autonomous body.

(ख) “सेमी क्रायोजेनिक इंजन विकास” – ₹7000.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹821.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹7821.00 लाख कर दिया गया। तथापि, ₹1522.84 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) अगले वित्तीय वर्ष के लिए सामग्री की अधिप्राप्ति स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(b) “Semi Cryogenic Engine Development” - the original provision of ₹7000.00 lakhs was augmented to ₹7821.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹821.00 lakhs. However, there was a saving of ₹1522.84 lakhs (including supplementary grant) - due to postponement of procurement of materials to the next financial year.

(ग) “इसरो प्रणोदक परिसर (आईपीआरसी)” – ₹20495.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹530.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹21025.00 लाख कर दिया गया। तथापि, ₹717.03 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) पदधारियों की कम भर्ती, छुट्टी यात्रा रियायत, शिशु शिक्षा भत्ते/छात्रावास सहायिकी के लिए कम दावे प्राप्त होने, सीआईएसएफ के लिए कम शस्त्रों और अस्त्रों तथा एम्युनिशन की अधिप्राप्ति होने और कम कानूनी शुल्क के कारण हुई।

(c) “ISRO Propulsion Complex (IPRC)” - the original provision of ₹20495.00 lakhs was augmented to ₹21025.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹530.00 lakhs. However, there was a saving of ₹717.03 lakhs (including supplementary grant) - due to recruitment of less incumbents, receipt of less claims towards leave travel concession, children education allowance/Hostel subsidy, less procurement of arms and ammunitions for CISF and less legal fees.

(खा) “अंतरिक्ष विज्ञान – राष्ट्रीय वातावरण अनुसंधान प्रयोगशाला” – ₹3000.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹10.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹3010.00 लाख कर दिया गया। तथापि, ₹540.00 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) हुई; और

(B) “Space Sciences - National Atmospheric Research Laboratory (NARL)” - the original provision of ₹3000.00 lakhs was augmented to ₹3010.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹10.00 lakhs. However, there was a saving of ₹540.00 lakhs (including supplementary grant); and

(III) मुख्य शीर्ष “3402” के अंतर्गत दिसंबर, 2017 और मार्च, 2018 में प्राप्त किया गया पूरक अनुदान निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत प्रत्येक के सामने दर्शाई गई सीमा तक पूर्णतया अप्रयुक्त रहा:-

(III) Supplementary grant obtained in December, 2017 and March, 2018 under Major Head “3402” - remained unutilized under the following heads to the extent as shown against each:-

(का) “अंतरिक्ष विज्ञान – भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला” – ₹18000.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹1143.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹19143.00 लाख कर दिया गया, जो, तथापि, ₹143.00 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

उपर्युक्त दो शीर्षों के अंतर्गत बचतें अनुदानग्राही संस्था की नकदी प्रवाह आवश्यकताएं कम होने के कारण हुईं।

(खा) “अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी” –

(क) “इसरो उपग्रह केंद्र” – ₹42782.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹6846.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹49628.00 लाख कर दिया गया, जो, तथापि, ₹232.89 लाख की सीमा तक भूमि परीक्षण उपकरणों पर प्रचालन लागत तथा आईटी अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण अप्रयुक्त रहा।

(ख) “रिसोर्ससैट – 3एस एवं 3एसए” – ₹85.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹406.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹491.00 लाख कर दिया गया, जो, तथापि, ₹266.09 लाख की सीमा तक सिस्टम और सबसिस्टम के कार्यान्वयन में विलंब होने तथा परियोजना आवश्यकताओं के आधार पर वैज्ञानिकों/इंजीनियरों की प्रतिनियुक्ति स्थगित होने के कारण अप्रयुक्त रहा।

(गा) “इनसैट उपग्रह प्रणाली” – “इनसैट/जीसैट ट्रांसपॉण्डरों की लीजिंग संबंधी सेवा प्रभार” – ₹10000.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹1695.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹11695.00 लाख कर दिया गया, जो, तथापि, ₹497.00 लाख की सीमा तक ग्राहकों से लीज प्रभारों की वास्तविक उगाही के आधार पर इनसैट/जीसैट ट्रांसपॉण्डरों की लीज के लिए मेसर्स अंतरिक्ष कारपोरेशन लिमिटेड को सेवा प्रभारों की अदायगी किए जाने के कारण अप्रयुक्त रहा।

(A) “Space Sciences - Physical Research Laboratory (PRL)” - the original provision of ₹18000.00 lakhs was augmented to ₹19143.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹1143.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of ₹143.00 lakhs.

Savings under the above two heads were due to less cash flow requirements of the grantee institution.

(B) “Space Technology” -

(a) “ISRO Satellite Centre (ISAC)” - the original provision of ₹42782.00 lakhs was augmented to ₹49628.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹6846.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of ₹232.89 lakhs - due to requirement of less funds towards operation cost on ground test equipments and IT application software.

(b) “Resourcesat - 3S & 3SA” - the original provision of ₹85.00 lakhs was augmented to ₹491.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹406.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of ₹266.09 lakhs - due to delay in realization of systems and sub-systems and postponement of deputation of Scientists/Engineers based on project requirement.

(C) “INSAT Satellite System - Service Charges for Leasing INSAT/GSAT Transponders” - the original provision of ₹10000.00 lakhs was augmented to ₹11695.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹1695.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of ₹497.00 lakhs - due to payment of service charges to M/S Antrix Corporation Ltd. towards INSAT/GSAT transponders lease based on actual realization of lease charges from the customers.

(IV) मुख्य शीर्ष “3402” के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं:-

(का) “अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी” –

(क) “विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र” – ₹108.58 लाख की बचत (₹100189.70 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) चिकित्सा खर्चों को स्थगित किए जाने, अतिथि गृह के संचालन की आउटसोर्सिंग बंद किए जाने तथा डाक्टरों के लिए संविदा का नवीकरण न करने के कारण हुई।

(ख) “सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र – एसएचएआर (एसडीएससी – एसएचएआर)” – ₹1946.69 लाख की बचत (₹51210.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पदधारियों की कम भर्ती, शिशु शिक्षा भत्ते/छात्रावास सहायिकी, चिकित्सा उपचार के लिए कम प्रतिपूर्ति दावे प्राप्त होने के कारण तथा किफायत उपायों की वजह से हुई।

(ग) “जियो – इमेजिंग उपग्रह” – ₹135.01 लाख की बचत (₹321.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परियोजना कार्यक्रम के आधार पर परियोजना के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

(घ) “स्कैटसैट” – ₹109.41 लाख की बचत (₹186.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) लॉन्च कार्यकलाप पूरा न होने के कारण हुई।

(ङ) “कार्टोसैट-2ई” – ₹107.51 लाख की बचत (₹265.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आपूर्तियों और सामग्रियों की सुपुर्दगी में विलंब के कारण हुई।

(च) “अंतरिक्ष सामग्रियों तथा संघटकों का विकास” – ₹141.77 लाख की बचत (₹1600.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंतरिक्ष-ग्रेड

(IV) Under Major Head “3402” - savings occurred under the following heads:-

(A) “Space Technology” -

(a) “Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)”- saving of ₹108.58 lakhs (against the sanctioned provision of ₹100189.70 lakhs) was due to postponement of medical expenses, stoppage of outsourcing of guest house operation and non-renewal of contract for Doctors.

(b) “Satish Dhawan Space Centre-SHAR (SDSC-SHAR)” - saving of ₹1946.69 lakhs (against the sanctioned provision of ₹51210.00 lakhs) was due to recruitment of less incumbents, receipt of less reimbursement claims towards children education allowance/Hostel subsidy, medical treatment and austerity measures.

(c) “Geo-Imaging Satellite (GISAT)” - saving of ₹135.01 lakhs (against the sanctioned provision of ₹321.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards the project based on project schedule.

(d) “Scattsat” - saving of ₹109.41 lakhs (against the sanctioned provision of ₹186.00 lakhs) was due to completion of the launch activities.

(e) “Cartosat - 2E” - saving of ₹107.51 lakhs (against the sanctioned provision of ₹265.00 lakhs) was due to delay in delivery of supplies and materials.

(f) “Development of Space Materials and Components” - saving of ₹141.77 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1600.00 lakhs) was due to requirement of

सामग्रियों तथा विद्युत घटकों के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

less funds towards space-grade materials and electronic components.

(छ) “मुख्य नियंत्रण सुविधा” – ₹259.44 लाख की बचत (₹7921.64 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उपभोज्य प्रयोग, एएमसी तथा अनुरक्षण कार्य, स्पेक्ट्रम प्रभारों का इस्तेमाल न होने, लाँच प्रचार तथा सीआईएसएफ खर्चों में कमी किए जाने के लिए कम निधियों की आवश्यकता तथा किफायत उपायों के कारण हुई।

(g) “Master Control Facility (MCF)” - saving of ₹259.44 lakhs (against the sanctioned provision of ₹7921.64 lakhs) was due to requirement of less funds towards consumable usage, AMC and maintenance works, non-utilization of Spectrum charges, reduction in launch campaign and CISF expenses and austerity measures.

(खा) अंतरिक्ष अनुप्रयोग” –

(B) “Space Applications” -

(क) “विकास तथा शिक्षा संचार यूनिट (डीईसीयू)” – ₹1128.66 लाख की बचत (₹2653.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) टेलीमेडिसिन के लिए प्रस्तावित नए नोडों के स्थगित होने, टेलीमेडिसिन नेटवर्क के नई प्रौद्योगिकी में अपग्रेडेशन को रद्द किए जाने, पूर्वोत्तर क्षेत्र टेली-एजुकेशन नेटवर्क के पुनरुद्धार तथा महाराष्ट्र और राजस्थान नेटवर्क प्रवर्जन के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

(a) “Development and Educational Communication Unit (DECU)” - saving of ₹1128.66 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2653.00 lakhs) was due to postponement of new nodes projected for telemedicine, non-taking up of upgradation of telemedicine network to new technology, requirement of less funds towards revival of North-East Region Tele-Education Network and the migration of Maharashtra and Rajasthan network.

(ख) “राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली” – ₹1629.44 लाख की बचत (₹3445.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) प्रशिक्षण में विलंब तथा एलयू/एलसी तृतीय चक्र के मानचित्रण की लागत के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

(b) “National Natural Resources Management System (NNRMS)” - saving of ₹1629.44 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3445.00 lakhs) was due to delay in training and requirement of less funds towards cost of mapping LU/LC 3rd cycle.

(ग) “आपदा प्रबंधन सहायता” – ₹496.81 लाख की बचत (₹1244.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हाई रिजोल्यूशन डाटा के उपलब्ध न होने, सेवाओं तथा एएमसी के प्रचालनीय होने में विलंब होने के कारण हुई।

(c) “Disaster Management Support (DMS)” - saving of ₹496.81 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1244.00 lakhs) was due to non-availability of high resolution data and delay in operationalisation of services and AMC.

(घ) “भारतीय सुदूर संवेदी संस्थान” – ₹128.69 लाख

(d) “Indian Institute of Remote Sensing (IIRS)”

की बचत (₹3502.17 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आपूर्तियों और सामग्रियों की अधिप्राप्ति के स्थगन के कारण हुई।

- saving of ₹128.69 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3502.17 lakhs) was due to postponement of procurement of supplies and materials.

(गा) “अंतरिक्ष विज्ञान” –

(C) “Space Sciences” -

(क) “सेंसर पेलोड विकास/ग्रहीय विज्ञान कार्यक्रम” – ₹175.73 लाख की बचत (₹1200.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मंगल कक्षा मिशन के पेलोड विकास कार्यक्रमलापों के लिए परियोजनाओं हेतु कम नकदी प्रवाह होने के कारण हुई।

(a) “Sensor Payload Development/Planetary Science Programme” - saving of ₹175.73 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1200.00 lakhs) was due to less cash flow for projects for payload development activities of the Mars Orbiter Mission.

(ख) “रेसपोंड” – ₹487.29 लाख की बचत (₹2836.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) ‘इम्पैक्टिंग रिसर्च इनोवेशन एवं टेक्नोलॉजी (इमप्रिंट)’ के अंतर्गत परियोजनाओं की कम आवश्यकता और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठों के अव्ययित शेष का इस्तेमाल किए जाने के कारण हुई।

(b) “RESPOND” - saving of ₹487.29 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2836.00 lakhs) was due to reduced requirement for projects under the scheme “Impacting Research Innovation & Technology (IMPRINT)” and utilization of unspent balance of Space Technology Cells.

(ग) “जलवायु तथा वातावरणीय कार्यक्रम” – ₹832.95 लाख की बचत (₹2200.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परियोजनाओं में बड़े दायित्वों के लिए कम आवश्यकता तथा जेआरएफ की भर्ती में विलंब के कारण हुई।

(c) “Climate and Atmospheric Programme” - saving of ₹832.95 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2200.00 lakhs) was due to reduced requirement for major commitments in projects and delay in recruitment of JRFs.

(घ) “अंतरिक्ष विज्ञान संवर्द्धन” – ₹150.42 लाख की बचत (₹315.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) चन्द्रयान-1 तथा एमओएम एओ परियोजनाओं की सहायता के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

(d) “Space Science Promotion” - saving of ₹150.42 lakhs (against the sanctioned provision of ₹315.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards support for Chandrayaan-1 and MOM AO Projects.

(घा) “इनसैट उपग्रह प्रणाली” –

(D) “INSAT Satellite System” -

(क) “जीसैट-17 उपग्रह प्रक्षेपण सेवाएं” – ₹356.01 लाख की बचत (₹500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में); और

(a) “GSAT-17 Satellite Launch Services” - saving of ₹356.01 lakhs (against the sanctioned provision of ₹500.00 lakhs); and

(ख) “जीसैट-18 उपग्रह” – ₹260.62 लाख की बचत (₹887.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में)।

(b) “GSAT-18 Satellite” - saving of ₹260.62 lakhs (against the sanctioned provision of ₹887.00 lakhs).

उपर्युक्त दो शीर्षों के अंतर्गत बचतें प्रक्षेपण कार्यकलापों के पूरा होने के कारण हुईं।

Savings under the above two heads were due to completion of launch activities.

(ड) “अंतर्राष्ट्रीय सहयोग – एशिया और पैसिफिक में अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा केंद्र” – ₹200.00 लाख की बचत (₹400.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) निधि स्थिति के आधार पर सीएसएसटीई-एपी से कम आवश्यकता के कारण हुईं।

(E) “International Co-operation - Centre for Space Science and Technology Education in Asia and the Pacific (CSSTE-AP)” - saving of ₹200.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹400.00 lakhs) was due to reduced requirement from CSSTE-AP based on the fund position.

(V) चार शीर्षों के अंतर्गत ₹290.23 लाख की बचतें हुईं जो प्रत्येक में ₹50.00 लाख से अधिक परन्तु ₹100.00 लाख से कम और स्वीकृत प्रावधान का 22 प्रतिशत से 49 प्रतिशत तक थीं।

(V) Under four heads savings of ₹290.23 lakhs occurred, each exceeding ₹50.00 lakhs but not exceeding ₹100.00 lakhs and constituting 22 percent to 49 percent of the sanctioned provision.

3. (I) उपर्युक्त बचतें पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान को बढ़ाने के लिए आंशिक रूप से (₹8339.00 लाख) प्रयुक्त हो गईं जैसा कि जुलाई, 2017 और दिसम्बर, 2017 में मुख्य शीर्ष “3402” के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के तहत ₹6179.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करते समय संसद को पहले ही सूचित कर दिया गया था:-

3.(I) The above savings were partly (₹8339.00 lakhs) utilized for augmenting the provision by re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining supplementary grant of ₹6179.00 lakhs in July, 2017 and December, 2017 under Major Head “3402” - under the following heads:-

(का) “अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी” – “सेमी – कंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल)” – ₹7263.00 लाख।

(A) “Space Technology - Semi-conductor Laboratory (SCL)” - ₹7263.00 lakhs.

(खा) “अंतरिक्ष अनुप्रयोग – पूर्वोत्तर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र” – ₹1076.00 लाख।

(B) “Space Applications - North-Eastern Space Applications Centre (NE SAC)” - ₹1076.00 lakhs.

(II) बचतें, निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय द्वारा भी प्रतिसंतुलित हो गईं:-

(II) Savings were also offset by excess under the following major heads:-

(का) मुख्य शीर्ष “3451” – “सचिवालय – अंतरिक्ष विभाग” – के अंतर्गत ₹1040.02 लाख का अधिक व्यय (₹2951.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) 7वें केंद्रीय वेतन आयोग के कार्यान्वयन तथा कानूनी खर्चों के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।

(A) Major Head “3451” - “Secretariat - Department of Space” - excess of ₹1040.02 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2951.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards implementation of 7th Central Pay Commission recommendations and legal expenses.

(खा) मुख्य शीर्ष “3402” –

(B) Major Head “3402” -

(क) “अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी” –

(a) “Space Technology” -

(i) “पोलर सैटेलाइट लॉच व्हीकल – सतत (पीएसएलवी-सी) परियोजना” – ₹560.33 लाख का अधिक व्यय (₹1716.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) भूमि परीक्षणों के लिए प्रणोदकों तथा लॉच-पूर्व प्रचार कार्यक्रमों के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।

(i) “Polar Satellite Launch Vehicle - Continuation (PSLV-C) Project” - excess of ₹560.33 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1716.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards propellants for ground tests and pre-launch campaign activities.

(ii) “जीएसएलवी मार्क-III विकास” – ₹1199.97 लाख का अधिक व्यय (मार्च, 2018 में प्राप्त किए गए ₹6700.00 लाख के पूरक अनुदान सहित ₹11500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) जीएसएलवी मार्क-III डी2 की द्वितीय विकास उड़ान के लिए नई योग्यता आवश्यकताओं में वृद्धि के कारण हुआ।

(ii) “GSLV Mk-III Development” - excess of ₹1199.97 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹11500.00 lakhs including supplementary grant of ₹6700.00 lakhs obtained in March, 2018) was due to increase in new qualification requirements for the second developmental flight of GSLV Mk-III D2.

(iii) “द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र” – ₹180.36 लाख का अधिक व्यय (मार्च, 2018 में प्राप्त किए गए ₹2638.00 लाख के पूरक अनुदान सहित ₹29143.00 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) ग्रुप प्रोत्साहनों का कार्यान्वयन, अस्पतालों के लिए दरों में संशोधन और मरम्मत/लघु कार्यक्रमों में वृद्धि होने के कारण हुआ।

(iii) “Liquid Propulsion Systems Centre (LPSC)” - excess of ₹180.36 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹29143.00 lakhs including supplementary grant of ₹2638.00 lakhs obtained in March, 2018) was due to implementation of group incentives, revision of rates for hospitals and increase in maintenance/minor works activities.

(iv) “जीएसएलवी प्रचालन (जीएसएलवी-ओ) परियोजना” – ₹1236.28 लाख का अधिक व्यय (₹16130.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वास्तविक प्रगति के आधार पर जीएसएलवी-एफ10 मिशन के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(iv) “GSLV Operational (GSLV-O) Project” - excess of ₹1236.28 lakhs (against the sanctioned provision of ₹16130.00 lakhs obtained in March, 2018) was due to requirement of additional funds towards GSLV-F10 Mission based on actual progress.

(ख) “अंतरिक्ष अनुप्रयोग” – “अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी)” – ₹299.43 लाख का अधिक व्यय (मार्च, 2018 में प्राप्त के गए ₹4038.00 लाख के पूरक अनुदान सहित ₹60195.21 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) चिकित्सा के लिए दरों की संशोधित अनुसूची के कार्यान्वयन, कर्मचारियों को सामूहिक प्रोत्साहन तथा सीआईएसएफ की तैनाती के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।

(b) “Space Applications - Space Applications Centre (SAC)” - excess of ₹299.43 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹60195.21 lakhs including supplementary grant of ₹4038.00 lakhs obtained in March, 2018) was due to requirement of additional funds towards implementation of revised schedule of rates for medical, group incentive to employees and deployment of CISF.

(III) दो शीर्षों के अंतर्गत ₹122.07 लाख का अधिक व्यय हुआ, जो प्रत्येक में ₹50.00 लाख से अधिक और स्वीकृत प्रावधान का 11 प्रतिशत और 5885 प्रतिशत थीं।

(III) Under two heads excess of ₹122.07 lakhs occurred, each exceeding ₹50.00 lakhs and constituting 11 percent and 5885 percent of the sanctioned provision.

4. अनुदान के पूंजीगत भाग के प्रभारित अंश में, ₹40.00 लाख का विनियोग नौ शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

4. In the *charged* portion of the capital section of the grant, *appropriation* of ₹40.00 lakhs remained wholly unutilized under nine heads.

5. अनुदान के पूंजीगत भाग के स्वीकृत अंश में, कुल बचतें (₹36234.58 लाख) जुलाई, 2017, दिसम्बर, 2017 और मार्च, 2018 में प्राप्त किए गए ₹342.00 लाख के पूरक अनुदानों से अधिक हो गईं और कुल स्वीकृत प्रावधान का 9 प्रतिशत थीं।

5. In the voted portion of the capital section of the grant, the overall savings (₹36234.58 lakhs) exceeded the supplementary grants of ₹342.00 lakhs obtained in July, 2017, December, 2017 and March, 2018 and constituted 9 percent of the total sanctioned provision.

बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्ष के अंतर्गत हुईं/हुआ:-

Savings/excess occurred under the following major head:-

कुल अनुदान	वास्तविक व्यय	बचत—
Total	Actual	Saving -
grant	expenditure	

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष	Head				
मुख्य शीर्ष "5402"	Major Head "5402"				
अंतरिक्ष अनुसंधान पर	Capital Outlay on				
पूँजीगत परियोजना	Space Research				
मू.	O.	415498.00			
पू.	S.	342.00	381813.00	379605.42	-2207.58
पु.	R.	-34027.00			

(I) ₹2550.79 लाख का प्रावधान (₹0.07 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित) सोलह शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा; इनमें से ₹1990.00 लाख मुख्य शीर्ष "5402" - के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के तहत लेखाबद्ध किए गए:-

(I) Provision of ₹2550.79 lakhs (including token supplementary grant of ₹0.07 lakh) remained wholly unutilised under sixteen heads; of these ₹1990.00 lakhs accounted for under Major Head "5402" - under the following heads :-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी - ट्राईसोनिक विंड टनल सुविधा परियोजना" - ₹990.00 लाख - सुविधा स्थापना के लिए संविदा को अंतिम रूप देने में विलंब के कारण।

(A) "Space Technology - Trisonic Wind Tunnel Facility Project" - ₹990.00 lakhs - due to delay in finalization of contracts for the facility establishment.

(खा) "इन्सैट उपग्रह प्रणाली - विदेशी उपग्रहों से ट्रांसपान्डरों की लीजिंग करके क्षमता बढ़ाना" - ₹1000.00 लाख - परियोजना के लिए वित्तीय स्वीकृति न मिलने के कारण।

(B) "INSAT Satellite System - Augmentation of capacity through leasing of transponders from foreign satellites" - ₹1000.00 lakhs - due to non-receipt of financial sanction for the project.

(II) मुख्य शीर्ष "5402" - के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुई:-

(II) Under Major Head "5402" - savings occurred under the following heads :-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" -

(A) "Space Technology" -

(क) "विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र" - ₹4795.73 लाख की बचत (₹33495.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वाहनों की अधिप्राप्ति के स्थगन, सीएनसी गैंट्री मिलिंग मशीन की प्राप्ति में देरी, ऑप्टिकल संरचना सुविधा के लिए भवनों हेतु कम आवश्यकता, वर्धित दाब परीक्षण सुविधा,

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)" - saving of ₹4795.73 lakhs (against the sanctioned provision of ₹33495.00 lakhs) was due to postponement of procurement of vehicles, delay in realizing CNC gantry miling machine, reduced requirement

टीईआरएलएस में वातावरणीय ध्वनि प्रयोगशाला, एलएमआईजी इंटीग्रेशन बे का विस्तार आदि के कारण हुई।

(ख) “इसरो जड़त्वीय प्रणाली इकाई” – ₹745.06 लाख की बचत (₹3588.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अगले वित्तीय वर्ष के लिए वाहनों की अधिप्राप्ति स्थगित किए जाने, प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम तथा तकनीकी सुविधा/अवसंरचना के लिए संघटकों और उपस्करों की सुपुर्दगी में विलंब होने के कारण हुई।

(ग) “द्रव प्रणोदक प्रणाली केंद्र (एलपीएससी)” – ₹708.40 लाख की बचत (₹0.07 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹18952.07 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वाहनों तथा आईटी उपस्करों की अधिप्राप्ति के स्थगन, स्टेज हार्डवेयर, सबस्टेशन इंजन हार्डवेयर, ऑडिटोरियम के लिए बॉन्डिड स्टोर हेतु कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

(घ) “इसरो उपग्रह केंद्र” – ₹5999.53 लाख की बचत (₹20067.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यात्मक वाहनों की अधिप्राप्ति के स्थगन, विभिन्न परीक्षण सुविधाओं की सुपुर्दगी में विलंब होने, सिविल कार्यों के लिए कम आवश्यकता के कारण हुई।

(ङ) “इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स सिस्टम के लिए प्रयोगशाला” – ₹1208.23 लाख की बचत (₹0.07 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹2250.07 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वैक्यूम इवैपोरेशन कोटिंग सिस्टम के सुपुर्दगी कार्यक्रम के स्थगित होने और कच्चे माल के उपलब्ध न होने के कारण कुछ मदों का फैब्रिकेशन किए जाने के कारण हुई।

towards buildings for Optical Structure Facility, Augmented Pressure Test Facility, Atmospheric Sounding Laboratory at TERLS, extension to LMIG Integration Bay.

(b) “ISRO Inertial Systems Unit (IISU)” - saving of ₹745.06 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3588.00 lakhs) was due to postponement of procurement of vehicles to the next financial year, delay in delivery of component and equipments for Technology Development Programme and Technical Facilities/Infrastructure.

(c) “Liquid Propulsion Systems Centre (LPSC)” - saving of ₹708.40 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹18952.07 lakhs including token supplementary grant of ₹0.07 lakh) was due to postponement of procurement of vehicles and IT equipments, requirement of less funds towards Bonded Store for stage hardware, Substation Engine Hardware and Auditorium.

(d) “ISRO Satellite Centre (ISAC)” - saving of ₹5999.53 lakhs (against the sanctioned provision of ₹20067.00 lakhs) was due to postponement of procurement of functional vehicles, delay in delivery of various test facilities and reduced requirement towards civil works.

(e) “Laboratory for Electro-Optics System (LEOS)” - saving of ₹1208.23 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹2250.07 lakhs including token supplementary grant of ₹0.07 lakh) was due to postponement of delivery schedule of Vacuum Evaporation Coating System and fabrication of certain items owing to non-availability of raw materials.

- (च) “सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र – एसएचआर” – ₹8500.80 लाख की बचत (₹34497.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अतिरिक्त वाहनों, आईटी उपकरणों की अधिप्राप्ति के स्थगन, तकनीकी सुविधाओं/अवसंरचना तथा डीईटी संयंत्र, लॉच पैड सब-स्टेशन की कम आवश्यकता के कारण हुई।
- (छ) “इसरो टेलीमैट्री, ट्रैकिंग तथा कमांड नेटवर्क” – ₹966.21 लाख की बचत (₹0.07 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹4195.07 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आईएसएसडीसी तथा टीडीपी के अपग्रेडेशन के अगले वित्तीय वर्ष तक स्थगित होने, आईडीएसएन/एससी/एमओएक्स पर वर्षा जल संरक्षण, आईडीएसएन पर पोत वाहित टर्मिनल सुविधा, एससीसी पर सब स्टेशन के अपग्रेडेशन होने और बिजली परिसर तथा कार्यालय स्थल में वृद्धि के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।
- (ज) “जीएसएलवी प्रचालन परियोजना” – ₹503.74 लाख की बचत (₹870.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) जीएसएलवी एफ-10 मिशन के लॉच होने के अगले वित्तीय वर्ष तक स्थगित होने, हीट शील्ड निर्माण सुविधाओं के सिविल कार्य की कम आवश्यकता के कारण हुई।
- (झ) “सेमी क्रायोजेनिक इंजन विकास” – ₹3732.00 लाख की बचत (₹11000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) इंटीग्रेटेड इंजन टेस्ट फ्लूइड सर्विंग सिस्टम रियलाइजेशन, इंजन असेम्बली एवं इंटीग्रेशन सुविधा, इंस्ट्रुमेंटेशन और कमांड सुविधा, परीक्षण सुविधाओं के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।
- (ञ) “भू-चित्रण उपग्रह” – ₹2004.37 लाख की बचत (₹5679.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में)
- (f) “Satish Dhawan Space Centre-SHAR (SDSC-SHAR)” - saving of ₹8500.80 lakhs (against the sanctioned provision of ₹34497.00 lakhs) was due to postponement of procurement of additional vehicles, IT equipments and reduced requirement for Technical Facilities/Infrastructure and DET Plant and launch pad sub-station.
- (g) “ISRO Telemetry, Tracking and Command Network (ISTRAC)” - saving of ₹966.21 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹4195.07 lakhs including token supplementary grant of ₹0.07 lakh) was due to postponement of upgradation of ISSDC and TDP to the next financial year, requirement of less funds towards rain water harvesting at IDSN/SC/MOX, Ship borne terminal facility at IDSN, upgradation of sub-station at SCC and augmentation of power complex and office space.
- (h) “GSLV Operational Project” - saving of ₹503.74 lakhs (against the sanctioned provision of ₹870.00 lakhs) was due to postponement of launch of GSLV F10 mission to the next financial year and less requirement for civil works of Heat Shield Preparation Facilities.
- (i) “Semi Cryogenic Engine Development” - saving of ₹3732.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹11000.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards Integrated Engine Test Fluid Serving System Realization, Engine Assembly and Integration Facility, Instrumentation and Command Facility, test facilities.
- (j) “Geo-Imaging Satellite (GISAT)” - saving of ₹2004.37 lakhs (against the sanctioned

ऑप्टिक्स मूल्यांकन सेटअप्स तथा पेलोड कैरेक्टराइजेशन सेट-अप्स की प्राप्ति में विलंब, आईडीसीए/एलडब्ल्यू आई आर स्ट्रिप फिल्टर और अन्य उप-प्रणालियों में विलंब के कारण हुई।

(ट) “इसरो प्रणोदन परिसर” – ₹25135.52 लाख की बचत (₹32348.52 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) इंटीग्रेटेड क्रायोजेनिक इंजन तथा स्टेज टेस्ट सुविधा, क्रायो टर्बो पम्प परीक्षण सुविधा के लिए क्रायो सर्किट, क्रायोजेनिक टैंक, नॉन-क्रायो प्लो कम्पोनेंटस और इरेक्शन की प्राप्ति में विलंब, प्राइम मूवर्स, लो बैड ट्रेलर की अधिप्राप्ति के स्थगन, उपस्करों की अधिप्राप्ति स्थगित किए जाने तथा फ़ैब्रिकेशन खर्चों के लिए कम आवश्यकताओं के कारण हुई।

(ठ) “मुख्य नियंत्रण सुविधा” – ₹4541.59 लाख की बचत (₹8466.86 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) इंटरफ़ेस मॉनीटरिंग सिस्टम, कू-बैंड आउटडोर माउंट 750 टीडब्ल्यूटीए एम्पलीफायर, सेटेलाइट कंट्रोल अर्थ स्टेशन के निर्माण के लिए कम निधियों की आवश्यकता, आईटी उपकरणों की अधिप्राप्ति के स्थगन के कारण हुई।

(ड) “भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय” – ₹1767.66 लाख की बचत (₹0.07 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹4455.07 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सौर विद्युत संयंत्रों की संस्थापना के कार्य के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

(ढ) “रिसोर्ससैट-3एस तथा 3एसए” – ₹388.09 लाख की बचत (₹915.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परियोजना के लिए प्रणालियों तथा उप-प्रणालियों की प्राप्ति के स्थगन के कारण हुई।

provision of ₹5679.00 lakhs) was due to delay in realisation of optics evaluation set-ups and payload characterization set-ups, delay of IDCA/LWIR Strip Filter and other sub-systems.

(k) “ISRO Propulsion Complex (IPRC)” - saving of ₹25135.52 lakhs (against the sanctioned provision of ₹32348.52 lakhs) was due to delay in realization of Integrated Cryogenic Engine and Stage Test Facility, Cryo Circuits for Cryo Turbo Pump Test facility, Cryogenic Tanks, Non-Cryo Flow components and erection, postponement of procurement of equipments and less requirement towards fabrication expenses.

(l) “Master Control Facility (MCF)” - saving of ₹4541.59 lakhs (against the sanctioned provision of ₹8466.86 lakhs) was due to requirement of less funds towards Interface Monitoring System, Ku-Band outdoor mount 750 TWTA Amplifier, construction of satellite control earth station and postponement of procurement of IT equipments.

(m) “Indian Space Research Organisation Headquarters (ISRO Hq)” - saving of ₹1767.66 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹4455.07 lakhs including token supplementary grant of ₹0.07 lakh) was due to requirement of less funds towards works of installation of Solar Power Plants.

(n) “Resourcesat-3S & 3SA” - saving of ₹388.09 lakhs (against the sanctioned provision of ₹915.00 lakhs) was due to postponement of cash flow for realization of systems and sub-systems for the project.

- (ण) “रिसोर्ससैट-3 तथा 3ए” – ₹673.45 लाख की बचत (₹750.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परियोजना की प्रगति के आधार पर प्रणालियों तथा उप-प्रणालियों की प्राप्ति के लिए बड़ी मदों की अधिप्राप्ति के स्थगन के कारण हुई।
- (त) “ठोस प्रणोदन अंतरिक्ष बूस्टर संयंत्र” – ₹4300.63 लाख की बचत (₹5000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एएसएमपी सुविधा की प्राप्ति से संबंधित कार्य की वास्तविक प्रगति के कारण हुई।
- (खा) “अंतरिक्ष अनुप्रयोग” –
- (क) “अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र” – ₹14167.62 लाख की बचत (₹0.32 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹53872.11 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पेलोड फैब्रिकेशन तथा परीक्षण सुविधाओं, विक्रेता परिसर, कैंटीन के लिए अतिरिक्त भवन के लिए कम निधियों की आवश्यकता, एलटीवीसी और 3डी प्रिंटर सुविधा की प्राप्ति, जीएसएटी-19 तथा 11 उपग्रहों के लिए संवर्धन और भूमि खंड सुविधा की प्राप्ति में विलंब के कारण हुई।
- (ख) “विकास और शैक्षिक संचार यूनिट” – ₹138.02 लाख की बचत (₹200.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वीडियो फाइल गुणता आकलन टूल, डिस्प्ले तथा इंटरफेस, 10 केवीए यूपीएस सिस्टम के अंतर्गत नकदी प्रवाह में कमी, एलटीओ ऑटोलोडर सिस्टम के लिए तथा एनएलई और एमएमएलएबी के लिए केवीएम सिस्टम की आवश्यकता में परिवर्तन और प्रीव्यू सुविधा तथा डिजिटल ऑडियो वर्क स्टेशन, वर्चुअल रिएलिटी हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर गैजेटों के अपग्रेडेशन का कार्यान्वयन न होने के कारण हुई।
- (o) “Resourcesat - 3 & 3A” - saving of ₹673.45 lakhs (against the sanctioned provision of ₹750.00 lakhs) was due to postponement of procurement of capital items for the realization of systems and sub-systems based on the progress of the project.
- (p) “Solid Propellant Space Booster Plant (SPROB)” - saving of ₹4300.63 lakhs (against the sanctioned provision of ₹5000.00 lakhs) was due to actual progress of works pertaining to realization of ASMP facility.
- (B) “Space Applications” -
- (a) “Space Applications Centre (SAC)” - saving of ₹14167.62 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹53872.11 lakhs including token supplementary grant of ₹0.32 lakh) was due to requirement of less funds towards payload fabrication and test facilities, vendor complex, auxiliary building for canteen, delay in realization of LTVC and 3D Printer facility, augmentation and ground segment facility for GSAT-19 and 11 satellites.
- (b) “Development and Educational Communication Unit (DECU)” - saving of ₹138.02 lakhs (against the sanctioned provision of ₹200.00 lakhs) was due to reduction of cash flow under Video File Quality Assessment Tool, Displays and Interfaces, 10 KVA UPS systems, change in requirement for LTO Autoloader Systems and KVM System for NLEs and MMLAB and non-realization of upgradation of preview facility and digital audio workstation, virtual reality hardware and software gadgets.

- (ग) “आपदा प्रबंधन सहायता” – ₹941.85 लाख की बचत (₹0.07 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹1256.07 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) डोपलर मौसम रेडारों तथा डीटीएच आधारित आपदा चेतावनी प्रणालियों से संबंधित कार्यों की वास्तविक प्रगति और खरीद औपचारिकताओं तथा रेडारों के संस्थापन में विलंब के कारण हुई।
- (घ) “राष्ट्रीय सूदूर संवेदी संस्थान” – ₹8135.03 लाख की बचत (₹25055.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वर्चुअल भूमि स्टेशन, एनआईसीईएस, वर्धित भूवन सेवाएं और केयू बैंड डेटा रिसेप्शन सिस्टम, डेटा केंद्र सुविधा की पहुंच तथा विस्तार के लिए नए भवन और अवसंरचना के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।
- (ङ) “भारतीय सुदूर संवेदी संस्थान” – ₹482.35 लाख की बचत (₹0.07 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹2307.35 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विदेशी विक्रेताओं से उपस्करों के आयात, ढलानो तथा भूमि रीक्लेमेशन पर कार्यों, नए शैक्षिक ब्लॉक के लिए कम नकदी प्रवाह के कारण हुई।
- (गा) “अंतरिक्ष विज्ञान” –
- (क) “वातावरण अध्ययन तथा खगोल विद्या के लिए छोटे उपग्रह” – ₹217.99 लाख की बचत (₹240.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एनईएमओ-एएम उपग्रह के लिए उपलब्धि आधारित भुगतान को अगले वित्तीय वर्ष तक स्थगित किए जाने के कारण हुई।
- (ख) “आदित्य” – ₹1034.67 लाख की बचत (₹0.07 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹3835.07 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पेलोड संरचना में परिवर्तन के कारण अधिप्राप्तियों के
- (c) “Disaster Management Support (DMS)” - saving of ₹941.85 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹1256.07 lakhs including token supplementary grant of ₹0.07 lakh) was due to actual progress of works related to Doppler Weather Radars and DTH based Disaster Warning Systems and delay in purchase formalities and installation of radars.
- (d) “National Remote Sensing Centre (NRSC)” - saving of ₹8135.03 lakhs (against the sanctioned provision of ₹25055.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards Virtual Ground Station, NICES, enhanced Bhuvan Services and establishment of Ku Band Data Reception System, new buildings and infrastructure for outreach and extension of data centre facility.
- (e) “Indian Institute of Remote Sensing (IIRS)” - saving of ₹482.35 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹2307.35 lakhs including token supplementary grant of ₹0.07 lakh) was due to less cash flow towards import of equipments from overseas suppliers, works on slopes and land reclamation, New Academic Block.
- (C) “Space Sciences” -
- (a) “Small Satellites for Atmospheric Studies and Astronomy” - saving of ₹217.99 lakhs (against the sanctioned provision of ₹240.00 lakhs) was due to postponement of milestone payments for NEMO-AM satellite to the next financial year.
- (b) “ADITYA” - saving of ₹1034.67 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹3835.07 lakhs including token supplementary grant of ₹0.07 lakh) was due

स्थगन, पीसीबी की आपूर्ति तथा विद्युत घटकों की सुपुर्दगी में विलंब की वजह से हुई।

to postponement of procurements owing to changes in payload configuration, delay in supply of PCB's and delivery of electronic components.

(ग) “जलवायु तथा वातावरणीय कार्यक्रम” – ₹770.29 लाख की बचत (₹1000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) फील्ड यंत्रों के तकनीकी सत्यापन के अनुसार सामग्रियों के सुपुर्दगी कार्यक्रम बनाए जाने के कारण हुई।

(c) “Climate and Atmospheric Programme” - saving of ₹770.29 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1000.00 lakhs) was due to delivery schedule of materials in line with the technical verification of field instruments.

(घ) “एक्स-रे पोलरीमीटर सैटेलाइट (एक्सपोसेट)” – ₹447.06 लाख की बचत (₹962.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) इलेक्ट्रॉनिक घटकों, प्रणालियों तथा उप प्रणालियों के कार्यान्वयन के लिए बड़ी मदों की अधिप्राप्ति स्थगित होने तथा पोलिक्स पेलोड के उपलब्धि आधारित भुगतानों को अगले वित्तीय वर्ष में ले जाए जाने के कारण हुई।

(d) “X-RAY Polarimeter Satellite (Xposat)” - saving of ₹447.06 lakhs (against the sanctioned provision of ₹962.00 lakhs) was due to postponement of procurement of electronic components, capital items for the realization of systems and sub-systems and milestone payments for the POLIX payload to the next financial year.

(ङ) “स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट मिशन” – ₹814.48 लाख की बचत (₹975.00 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परियोजना की वास्तविक प्रगति के आधार पर मशीनरी एवं उपकरणों की अधिप्राप्ति स्थगित होने के कारण हुई।

(e) “Space Docking Experiment Mission” - saving of ₹814.48 lakhs (against the sanctioned provision of ₹975.00 lakhs) was due to postponement of procurement of machinery and equipments based on actual progress of the project.

(घा) “इनसैट उपग्रह प्रणाली” –

(D) “INSAT Satellite System” -

(क) “इनसैट-3 उपग्रह” – ₹122.27 लाख की बचत (₹555.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) 11एम वाइड-सी-बैंड फुल मोशन एंटीना की कमीशनिंग के लिए कम नकदी प्रवाह और स्पेस ग्रेड 3.3वी एलवीडीएस डिवाइस ड्राइवर और रिसेवरों की सुपुर्दगी स्थगित होने के कारण हुई।

(a) “INSAT-3 Satellites” - saving of ₹122.27 lakhs (against the sanctioned provision of ₹555.00 lakhs) was due to less cash flow towards commissioning of 11m Wide C-Band Full motion antenna and postponement of delivery of Space Grade 3.3V LVDS Device Drivers and Receivers.

(ख) “जीसैट-19 उपग्रह” – ₹560.29 लाख की बचत (₹0.33 लाख के पूरक अनुदान सहित ₹3620.33 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परियोजना के कार्यान्वयन के कारण हुई।

(b) “GSAT-19 Satellite” - saving of ₹560.29 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹3620.33 lakhs including token supplementary grant of ₹0.33 lakh) was due to realization of the project.

- (ग) “जीसैट-20 उपग्रह” – ₹1049.18 लाख की बचत (₹4000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) प्रणालियों तथा उप-प्रणालियों के कार्यक्रम के कार्यान्वयन के कारण हुई।
- (घ) “लांच सेवाओं सहित उन्नत संचार उपग्रह (जीसैट-11)” – ₹3627.73 लाख की बचत (₹10486.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उपग्रह के लांच होने के स्थगन तथा उन्नत संचार उपग्रह के भूमि खंड के कार्यान्वयन के कारण हुई।
- (ङ) “आवास” –
- (क) “सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र – एसएचएआर” – ₹540.18 लाख की बचत (₹1000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सीआईएसएफ के बैरकों के निर्माण, स्टाफ क्वार्टरों की बिजली व्यवस्था का नवीकरण तथा अतिरिक्त क्वार्टरों के निर्माण के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।
- (ख) “अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र” – ₹200.01 लाख की बचत (₹500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सीआईएसएफ के बैरकों और क्वार्टरों के निर्माण के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।
- (ग) “मुख्य नियंत्रण सुविधा” – ₹500.00 लाख की बचत (₹700.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सीआईएसएफ के मौजूदा बैरकों के ऊर्ध्वाधर विस्तार, क्वार्टरों के निर्माण, सीवर लाईन में सुधार तथा सीवर लाईन बिछाने के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।
- (घ) “भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय” – ₹780.03 लाख की बचत (₹2000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) बेंगलूर एवं द्वारका में सीआईएसएफ कार्मिकों के लिए बैरकों और
- (c) “GSAT-20 Satellite” - saving of ₹1049.18 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4000.00 lakhs) was due to realization schedule of systems and sub-systems.
- (d) “Advanced Communication Satellite (GSAT-11) including launch services” - saving of ₹3627.73 lakhs (against the sanctioned provision of ₹10486.00 lakhs) was due to postponement of launch of the satellite and realization of Ground segment for the advanced communication satellite.
- (E) “Housing” -
- (a) “Satish Dhawan Space Centre-SHAR” - saving of ₹540.18 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1000.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards construction of CISF barracks, electrical refurbishment to staff quarters and construction of additional quarters.
- (b) “Space Applications Centre” - saving of ₹200.01 lakhs (against the sanctioned provision of ₹500.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards construction of CISF barracks and quarters.
- (c) “Master Control Facility (MCF) - saving of ₹500.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹700.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards vertical extension of existing barracks for CISF, construction of quarters, improvement and laying of sewer line.
- (d) “Indian Space Research Organisation Headquarters (ISRO Hq)” - saving of ₹780.03 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2000.00 lakhs) was due to

क्वार्टरों के निर्माण तथा स्टॉफ क्वार्टरों के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।

requirement of less funds towards construction of barracks and quarters for CISF personnel and staff quarters at Bangalore and Dwaraka.

6. (I) उपर्युक्त बचतें पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान को बढ़ाने के लिए आंशिक रूप से (₹53763.21 लाख) प्रयुक्त हो गईं जैसाकि मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत ₹342.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करते समय संसद को पहले ही सूचित कर दिया गया था:-

6.(I) The above savings were partly (₹53763.21 lakhs) utilized for augmenting the provision by re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining supplementary grant of ₹342.00 lakhs under Major Head "5402" - under the following heads:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" -

(A) "Space Technology" -

(क) "ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन - सतत परियोजना" - ₹25650.00 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹25645.65 लाख था।

(a) "Polar Satellite Launch Vehicle - Continuation (PSLV-C) Project" - ₹25650.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹25645.65 lakhs.

(ख) "रिसोर्ससैट-2ए" - ₹1479.67 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹1416.07 लाख था।

(b) "Resourcesat-2A" - ₹1479.67 lakhs. Actual excess, however, was ₹1416.07 lakhs.

(ग) "स्कैटसैट" - ₹2044.75 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹2041.15 लाख था।

(c) "Scattsat" - ₹2044.75 lakhs. Actual excess, however, was ₹2041.15 lakhs.

(घ) "रिसैट-1ए" - ₹12076.00 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹11576.06 लाख था।

(d) "RISAT-1A" - ₹12076.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹11576.06 lakhs.

(ङ) "कार्टोसैट-2ई" - ₹2984.93 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹2973.74 लाख था।

(e) "Cartosat-2E" - ₹2984.93 lakhs. Actual excess, however, was ₹2973.74 lakhs.

(च) "द्वितीय वाहन असेंबली बिल्डिंग का कार्यान्वयन" - ₹5149.93 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹5149.92 लाख था।

(f) "Realisation of Second Vehicle Assembly Building (SVAB)" - ₹5149.93 lakhs. Actual excess, however, was ₹5149.92 lakhs.

(छ) "नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रेडार मिशन" - ₹4168.00 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹4003.51 लाख था।

(g) "NASA ISRO Synthetic Aperture Radar Mission (NISAR)" - ₹4168.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹4003.51 lakhs.

(खा) "आवास - इसरो प्रणोदन परिसर" - ₹209.93 लाख।

(B) "Housing - ISRO Propulsion Complex (IPRC)" - ₹209.93 lakhs.

(II) बचतें मुख्य शीर्ष “5402” के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों को अंतर्गत अधिक व्यय द्वारा भी प्रतिसंतुलित हो गईं:-

(का) “अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी” -

(क) “जीएसएलवी एमके-III विकास” - ₹300.01 लाख का अधिक व्यय (₹200.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) जीएसएलवी मार्क-III की दूसरी विकास उड़ान की आवश्यकता के कारण हुई।

(ख) “नेवीगेशन उपग्रह प्रणाली” - ₹1025.11 लाख का अधिक व्यय (₹4413.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आईआरएनएसएस II मिशन के लिए अंतरिक्षयान बस एलिमेंट तथा पेलोड हेतु अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।

(ग) “कार्टोसैट-3” - ₹1288.59 लाख का अधिक व्यय (₹1859.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विभिन्न उप प्रणालियों/पेलोड के कार्यान्वयन के लिए संघटकों की अधिप्राप्ति के कारण हुआ।

(घ) “ओशनसैट-3 एवं 3ए” - ₹1527.77 लाख का अधिक व्यय (₹6343.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एसएसटीएन के लिए डिटेक्टरों तथा इलेक्ट्रॉनिक संघटकों की अधिप्राप्ति के कारण हुआ।

(खा) “अंतरिक्ष विज्ञान - भारतीय चंद्रमा मिशन - चंद्रयान-1 एवं 2” - ₹4024.12 लाख का अधिक व्यय (₹4853.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) लैंडर तथा नेटवर्क सपोर्ट एलिमेंट के लिए परीक्षण सुविधाओं और इलेक्ट्रॉनिक संघटकों, डिटेक्टर मिरर तथा कोलम्बियम सामग्री की अधिप्राप्ति के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।

(गा) “इनसैट उपग्रह प्रणाली” -

(II) Savings were also offset by excess under Major Head “5402” - under the following heads:-

(A) “Space Technology” -

(a) “GSLV Mk-III Development” - excess of ₹300.01 lakhs (against the sanctioned provision of ₹200.00 lakhs) was due to requirement of new qualification for second developmental flight of GSLV Mk-III.

(b) “Navigation Satellite System (NSS)” - excess of ₹1025.11 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4413.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards spacecraft bus element and payload for the IRNSS II mission.

(c) “Cartosat-3” - excess of ₹1288.59 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1859.00 lakhs) was due to procurement of components for realization of various sub-systems/payloads.

(d) “Oceansat-3 & 3A” - excess of ₹1527.77 lakhs (against the sanctioned provision of ₹6343.00 lakhs) was due to procurement of detectors for SSTM and electronic components.

(B) “Space Sciences - Indian Lunar Mission - Chandrayaan - 1 & 2” - excess of ₹4024.12 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4853.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards test facilities for Lander and network support elements and procurement of electronic components, detectors, mirrors and columbium material.

(C) “INSAT Satellite System” -

- (क) “इनसैट-4/जीसैट उपग्रह” – ₹2140.83 लाख का अधिक व्यय (₹2752.60 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) जीसैट-6ए परियोजना कार्यकलापों की वास्तविक प्रगति के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।
- (ख) “जीसैट-17 उपग्रह” – ₹358.86 लाख का अधिक व्यय (₹8410.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विद्युत घटकों के सुपुर्दगी कार्यक्रम के स्थगन की वजह से अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।
- (ग) “जीसैट-17 उपग्रह लांच सर्विस” – ₹434.61 लाख का अधिक व्यय (₹2678.23 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंतरिक्षयान के परिवहन तथा बीमे के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।
- (घ) “जीसैट-18 उपग्रह” – ₹2004.19 लाख का अधिक व्यय (₹2413.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पेलोड तथा बस सिस्टम संघटकों की अधिप्राप्ति और अंतरिक्षयान के परीक्षण पर अधिक भुगतान के कारण हुआ।
- (ङ) “जीसैट-22/23/24 उपग्रह” – ₹685.42 लाख का अधिक व्यय (₹198.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पेलोड संघटकों के कार्यान्वयन के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।
- (a) “INSAT-4/GSAT Satellites” - excess of ₹2140.83 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2752.60 lakhs) was due to requirement of additional funds towards actual progress of GSAT-6A project activities.
- (b) “GSAT-17 Satellite” - excess of ₹358.86 lakhs (against the sanctioned provision of ₹8410.00 lakhs) was due to requirement of additional funds owing to preponement of delivery schedule of electronic components.
- (c) “GSAT-17 Satellite Launch Services” - excess of ₹434.61 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2678.23 lakhs) was due to requirement of additional funds towards transportation and insurance of spacecraft.
- (d) “GSAT-18 Satellite” - excess of ₹2004.19 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2413.00 lakhs) was due to spill over payments for procurement of payload and bus system components and testing of spacecraft.
- (e) “GSAT-22/23/24 Satellites” - excess of ₹685.42 lakhs (against the sanctioned provision of ₹198.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards realization of payload components.